बृहस्पतिवार
14 जुलाई 2022

पृष्ठ 4

स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है काढ़ा

पृष्ठ 5

सलमान खान के साथ नो एंट्री-2 में नजर आ सकती हैं सामंथा रुथ प्रभु

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 159
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

अत्याचार और अनाचार को सिर झुकाकर वे ही सहन करते हैं जिनमें नैतिकता और चरित्र का अभाव होता है।
कमलापति त्रिपाठी

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

छात्रवृत्ति घोटाले में 2 साल से फरार 15 हजार का ईनामी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। लाखों रूपये के छात्रवृत्ति घोटाले में दो साल से फरार चल रहे 15 हजार के ईनामी को एसटीएफ द्वारा राजधानी देहरादून से गिरफ्तार कर लिया गया है।

वर्ष 2019 में उत्तराखण्ड में प्रकाश में आये छात्रवृत्ति घोटाले में उत्तराखण्ड के कई कालेजो द्वारा शातिर तरीके से संगठित होकर फर्जी एडमिशन आदि कराकर छात्र निधि को धोखाधडी से प्राप्त किया गया था। प्रकरण में उच्च न्यायालय, नैनीताल के आदेश पर एक एसआईटी घटित कर उत्तराखण्ड के विभिन्न जनपदो के समस्त महाविद्यालयों में छात्रवृत्ति घोटाले को लेकर बडे पैमाने पर जॉच शुरू कराई गई। एसआईटी की जॉच में कुछ विद्यालयों के द्वारा छात्रवृत्ति को फर्जी तरीके से प्राप्त कर गबन किया जाना सामने आया था, जिसके क्रम में उत्तराखण्ड के अलग-अलग जनपदो में कई मुकदमें पंजीकृत कराये गये थे।

इस क्रम में वर्ष 2019 में एन पावर एकेडमी, रानीपुर मोड हरिद्वार, जिसके निदेशक राहुल विश्नोई है, के खिलाफ विवेचना प्रचलित है। उक्त मुकदमें के पंजीकृत होने के बाद से ही आरोपी राहुल विश्नोई पुत्र के.के. विश्नोई निवासी आवास विकास ऋषिकेश देहरादून दो वर्षों से लगातार फरार चल रहा था तथा अपनी गिरफ्तारी से बच रहा था। फरार आरोपी राहुल विश्नोई को उत्तराखण्ड एसटीएफ द्वारा मोहिनी रोड , देहरादून से गिरफ्तार कर लिया गया है।

बता दें कि एन पावर एकेडमी एम. बी.ए., बी.बी.ए., बी.सी.ए. व अन्य डिप्लोमा

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

यूनिफॉर्म सिविल कोड के मसौदे पर माथापच्ची जारी

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तराखंड सरकार राज्य में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने की दिशा में एक-एक कदम आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा गठित की गई 5 सदस्यीय समिति की आज दूसरी बैठक नई दिल्ली स्थित उत्तराखंड सदन में हुई। हाईकोर्ट की रिटायर चीफ जस्टिस रंजना देसाई की अध्यक्षता में आज भी इस बैठक में इस बिल के कानूनी मसौदे पर लंबी चर्चा की गई। समिति की यह दूसरी बैठक है इससे पहले 4 जुलाई को बैठक हुई थी।

2 घंटे तक चली इस बैठक में आज समिति के सदस्यों द्वारा इस बिल के कानून के फ्रेम वर्क पर चर्चा की गई। सभी सदस्यों की आम राय यह थी कि इस बिल के कानूनी प्रावधान ऐसे हो जिन्हें लेकर किसी भी व्यक्ति या समुदाय विशेष को यह नहीं लगना चाहिए कि इसके माध्यम से उसे टारगेट किया गया है। सभी सदस्यों द्वारा इस बात पर भी सहमति जताई गई है कि कानूनी प्रारूप तय करने से पहले सभी धर्मों के धर्माचार्यों

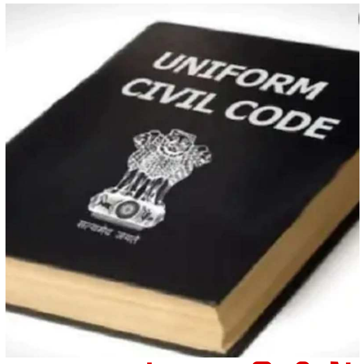

❑उत्तराखंड भवन दिल्ली में समिति की दूसरी बैठक

❑सिविल कोड कानूनी मसौदे पर किया गया विचार विमर्श

और राजनीतिक दलों के प्रमुख नेताओं से भी उनकी राय ली जाए जिससे बिल के मसौदे को लेकर किसी को बाद में कोई आपत्ति न हो और संशोधन की संभावनाओं को कम किया जा सके।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधानसभा चुनाव 2022 के दौरान मार्च माह में राज्य में जनसंख्या

◀◀ शेष पृष्ठ 2 पर

राष्ट्रपति चुनाव में द्रोपदी मुर्मू का विरोध उचित नहीं: आचार्य प्रमोद कृष्णम

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने भी राष्ट्रपति चुनाव के लिए एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का समर्थन किया है। इसको लेकर प्रमोद कृष्णम ने एक ट्वीट किया है। इस ट्वीट में उन्होंने लिखा है कि पंडित मोतीलाल नेहरु से लेकर आज तक कांग्रेस हमेशा शोषित, वंचित और आदिवासियों के साथ खड़ी रही है।

राष्ट्रपति चुनाव में एक आदिवासी महिला उम्मीदवार द्रोपदी मुर्मू का विरोध करना मेरे विचार से बिलकुल उचित नहीं है, पार्टी हाई कमान को इस पर पुनर्विचार करना चाहिए। बता दें, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने आज ही 10 जनपथ पर पार्टी के सीनियर लीडर्स की एक मीटिंग बुलाई थी। कांग्रेस की इस मीटिंग से पहले प्रमोद कृष्णम का ये ट्वीट चर्चा में रह सकता है। कांग्रेस नेता प्रमोद कृष्णम ने दो दिन पहले ही राष्ट्रपति पद के लिए यूपीए के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के एक बयान को लेकर उनपर निशाना साधा था। यशवंत सिन्हा ने कहा था कि राष्ट्रपति चुने जाने पर मैं संविधान के संरक्षक के रूप में कार्य करूंगा और सरकार को ऐसा कुछ भी करने से रोकूंगा, जिससे प्रजातंत्र का हनन हो।

पिछले 24 घंटों में कोविड के 20 हजार से ज्यादा मामले सामने आये, 38 संक्रमितों की हुई मौत

नई दिल्ली । भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 20,139 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,36,89,989 हो गई। देश में करीब 145 दिन बाद 20 हजार से अधिक दैनिक मामले सामने आए।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से 38 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,25,557 हो गई।

देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 1,36,076 हो गई है, जो कुल मामलों का 0.31 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों

की संख्या में 3,619 की बढ़ोतरी हुई है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98. 49 प्रतिशत है।

गौरतलब है कि देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 25 जनवरी को मामले चार करोड़ के पार हो गए थे।

वहीं बुधवार को केंद्र सरकार की ओर से ऐलान किया गया कि 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत 15 जुलाई से अगले 75 दिनों के लिए सरकारी टीकाकरण केंद्रों पर 18 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों को कोविड-19 वैक्सीन बूस्टर डोज फ्री में लगाई जाएगी।

दून वैली मेल

संपादकीय

अनावश्यक खर्चो पर रोक

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बीते कुछ दिनों से अनावश्यक सरकारी खर्चों पर रोक लगाने का प्रयास करते दिख रहे हैं अभी बीते दिन उन्होंने एक अधिकारी एक सरकारी गाड़ी का प्रावधान लागू किया था। आम तौर पर कई सरकारी विभागों के काम देखने वाले सचिव स्तर के अधिकारी कई कई सरकारी गाड़ियां रखते है। अधिकारियों द्वारा सरकारी सुविधाओं का दुरुपयोग कोई नई बात नहीं है। दशकों से यह परंपरा जारी है अपने निजी काम के लिए उनके द्वारा सरकारी गाड़ियों का उपयोग किया जाता है। ठीक वैसे ही अभी चंद रोज पहले ही यह आदेश जारी कर सरकारी कार्यक्रम होटलों और निजी स्थानों पर आयोजनों पर रोक लगाई गई थी। सीएम का कहना है कि इस तरह के आयोजन मुख्य सेवक सदन में आयोजित किए जाएं तथा इस कार्य संस्कृति को जिला और तहसील स्तर तक लागू किया जाए। इससे सरकारी धन की बचत होगी। सरकार द्वारा एक और आदेश जारी करते हुए मुख्य सचिव ने सरकारी बैठकों में चाय के चलन पर रोक लगा दी है। उनका कहना है कि अधिकारी बैठकों के परिणामों पर ध्यान दें बैठकों में चाय परोसने की परंपराएं गलत हैं यही नहीं बुके दिए जाने की परंपरा पर रोक लगा दी गई है। अगर देखा जाए तो यह प्रयास बहुत ही छोटे-मोटे प्रयास हैं लेकिन कहा जाता है कि बूंद बूंद से ही घड़ा भर जाता है। इस दृष्टिकोण से सूबे की वर्तमान सरकार के यह प्रयास सराहनीय कहे जा सकते हैं उत्तराखंड जैसे छोटे राज्य में जहां आपदा के समय भी नेता और अधिकारी आपदा राहत कार्यों में लगे हेलीकॉप्टरों में मौज मस्ती करते रहे हो वहीं अगर आज कोई सरकारी धन की बचत या दुरुपयोग को रोकने की कोशिश हो रही है तो यह एक सकारात्मक पहल ही कही जाएगी लेकिन इसके साथ-साथ यह भी सच है कि इस तरह की पहल दिखावा भर ही है। सरकारी धन का बड़ा दुरुपयोग तो अन्य तमाम मदों में देखा जाता है। स्व. एन.डी. तिवारी के कार्यकाल में जो राज्य मंत्रियों की परंपरा शुरू हुई थी वह अभी तक जारी है। हर एक सरकार के कार्यकाल में अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं को लाभ पहुंचाने के लिए दायित्व धारियों की फौज खड़ी कर दी जाती है उसका क्या उपयोग है और उस पर कितना खर्चा होता है? यह एक विचारणीय सवाल है क्या धामी सरकार इस परंपरा को भी खत्म करने का साहस दिखा पाएगी? ठीक वैसा ही एक मुद्दा है मंत्रियों विधायकों और अधिकारियों के विदेशी दौरों का। सरकारी कामकाज और योजनाओं के अध्ययन व शोध के नाम पर की जाने वाली यह मौज-मस्ती क्या उचित है? इन विदेशी दौरों पर होने वाले अनावश्यक खर्चे और सरकारी धन के दुरुपयोग को भी सरकार रोकने के बारे में कुछ विचार करेगी? यही नहीं अन्य कई ऐसे मद हैं जिन पर भारी भरकम खर्च किया जाता है। अगर सरकार वास्तव में सरकारी खर्चों को रोकना चाहती है तो तमाम ऐसे मदों पर रोक लगानी चाहिए तभी इसका कोई फायदा हो सकेगा।

पर्स चोरी करने वाली दो महिलाओं को पकड़कर पुलिस को सौंपा

संवाददाता

देहरादून। विक्रम में महिला का पर्स चोरी करने वाली दो महिलाओं को पकडकर पुलिस के हवाले किया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार माजरी माफी निवासी अखिलेशआज दिनांक` सुबह वह और उसकी भाभी माजरी माहफी से विक्रम मे बैठकर आईएसबीटी जा रहे थे तो इस बीच रिस्पना पुल के पास दो महीला दो छोटे बच्चों के साथ बैठी जिन कि गतिविधि उस समय संग्दिध लग रही थी तथा वे सभी लोग कुछ दूर पर उतर गयी जिस के बाद वह आईएसबीटी पर उतरे तथा किराया देने के लिये अपना पर्स चेक किया तो उस मे रखा एक छोटा पर्स गयाब था जिस के अन्दर एक सोने की अंगुठी, एक बीस का सिका, ऐक गोल्डन कलर कि लेडीज वाली एचएमटी की घडी तथा लगभग 2500 रुपये भी थे, जिस के बाद उसने अपने साले गिरीश को फोन किया तथा दोनो रिस्पना पहुचे वहा पर उसकी भाभी रो रही थी हम लोग जब शास्त्री नगर पास उक्त महिलाएं दिख गयी जिनसे पूछताछ करने पर उसकी भाभी के पर्स से सामान चोरी करना स्वीकारा तथा चोरी के 2500 रूपये तथा 20 रुपये का सिक्का उन से बरामद हुआ ह तथा यह लोग सोने की अगुठी तथा पर्स कही फैक दिया जाना बता रहे है। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम नीतू चौहान पत्नी कृष्णा व श्रीमती मछला पत्नी लोकश निवासी जिला परवल हरियाणा बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

डेंगू-मलेरिया की रोकथाम हेतु क्वीक रिस्पांस टीम बनायें: डीएम

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी डा. आर राजेश कुमार ने डेंगू मलेरिया की रोकथाम के लिए अधिकारियों के साथ बैठक कर क्यूआरटी व क्वीक रिस्पांस टीम बनाने के निर्देश दिये।

आज यहां जिलाधिकारी डॉ. आर राजेश कुमार ने शिविर कार्यालय में डेंगू/मलेरिया की प्रभावी रोकथाम एवं बचाव के सम्बन्ध में बैठक लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्य नगर आयुक्त नगर निगम एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को डेंगू/मलेरिया की प्रभावी रोकथाम हेतु शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संबंधित विभागों से कार्मिकों को लेते हुए जागरूकता टीम बनाने के साथ ही क्यूआरटी क्वीक रिस्पांस टीम बनाने के निर्देश दिए, जिसमें स्वास्थ्य विभाग, आशा, आंगनबाड़ी, सुपरवाइजर व निरीक्षक नगर निगम/नगर पालिका, पंचायतीराज विभाग एवं पुलिस विभाग के लोगों को सम्मिलित करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि डेंगू मलेरिया से बचाव हेतु जनजागरूकता के साथ ही लापरवाही करने वालों पर अर्थदण्ड की कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि कैन्टोमेण्ट क्षेत्रों में भी डेंगू/मलेरिया प्रभावी रोकथाम हेतु डेंगू/मलेरिया उन्मूलन अभियान चलाए जाने हेतु पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी निर्माणदायी संस्थाओं जिनके कार्य गतिमान है वहां पानी जमा न रहे। उन्होंने कहा कि जन-जागरूकता अभियान में एनसीसी, एनएसएस, एनजीओ एवं सिविल सोसाईटी का भी सहयोग प्राप्त करें ताकि अधिक से अधिक लोगों को डेंगू मलेरिया के लक्षण व बचाव के संबंध में जागरूक किया जा सकें। जिलाधिकारी ने मुख्य शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि जनपद के स्कूलों में बच्चों को फुल ड्रैस, जिसमें शरीर के सभी अंग ढके रहें में स्कूल बुलाये जाने हेतु सभी शासकीय/गैर शासकीय स्कूलों को निर्देशित किया जाए। साथ ही डेंगू/मलेरिया से बचाव के उपायों (यथा घर के खाली बर्तनों, गमलों, छतों, खुली बोतलों, कुलर, नालियों आदि में पानी जमा न हो) के प्रति बच्चों को भी जागरूक किया जाए। बैठक में मुख्य नगर आयुक्त नगर निगम देहरादून मनुज गोयल ने डेंगू/मलेरिया उन्मूलन के अन्तर्गत चलाये गए अभियान तथा डेंगू/मलेरिया की रोकथाम हेतु नगर निगम देहरादून द्वारा की जा रही तैयारियों एवं योजनाओं की जानकारी जिलाधिकारी को दी। बैठक में मुख्य नगर आयुक्त नगर निगम मनुज गोयल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 मनोज कुमार उप्रेती, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सी.एस रावत, डेंगू/मलेरिया अधिकारी डॉ0 सुभाष जोशी, नगर निगम, नगर पालिका परिषद विकासनगर, हर्बटपुर, डोईवाला के अधिकारियों/कार्मिक सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बस में सवार होकर डीएम और अन्य अधिकारी पहुंचे जनता दरबार

❑रुद्रप्रयाग जिलाधिकारी की ओर से की गई यह पहल

हमारे संवाददाता

रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने एक अभिनव पहल करते हुए आज स्वयं और जिले के सभी अधिकारियों सहित बस में सफर कर एक दूरस्थ गांव में लगे शिविर में प्रतिभाग किया गया। रुद्रप्रयाग जिलाधिकारी द्वारा पहली बार ऐसी पहल की गई है। उन्होने निर्देश दिये है कि जहां भी जनता की समस्याओं को सुनने के लिये शिविर लगेंगे, वहां सभी अधिकारी बस के जरिये ही सफर करेंगे।

बता दें कि प्रदेश में जनता की समस्याओं को सुनने के लिये अक्सर प्रशासन की ओर से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में जनता दरबार का आयोजन किया जाता है। इन जनता दरबारों में अक्सर देखा जाता है कि कई अधिकारी पहुंचते ही नहीं और जो अधिकारी पहुंचते भी हैं वह समय पर नहीं पहुंचते हैं साथ ही कई अधिकारी अपने वाहनों से पहुंचते हैं, जिससे वाहनों का जमावड़ा लग जाता है और सरकारी डीजल-पैट्रोल की भी अधिक खपत होती है।

आज डीएम मयूर दीक्षित ने ऐसी पहल शुरू की जो प्रदेशभर के लिए प्रेरणास्रोत बनी है। मनसूना में होने वाले सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम में डीएम ने बस की व्यवस्था कराई और अफसरों के साथ स्वयं बस में सवार होकर मनसूना पहुंचे। आज सुबह कलेक्ट्रेट में जब डीएम मनसूना कार्यक्रम के लिए प्रस्थान करने लगे तो, कलक्ट्रेट परिसर में बस देखकर सभी हैरान हो गए। पहले डीएम स्वयं बस में सवार हुए और बाद में एक-एक कर सभी अफसर बस में बैठे। करीब 3 दर्जन से अधिक अफसरों के साथ डीएम मनूसना पहुंचे। इस तरह की अनोखी पहल पहली बार देखने को मिली। जिससे जनता, अधिकारी, जनप्रतिनिधि और समाज के बुद्धिजीवी वर्ग में खुशी की लहर है। उनका कहना है कि जिलाधिकारी की अलग सोच के दूरगामी परिणाम सामने आएंगे।

तरणिरित्सिषासति वाजं पुरंध्या युजा।
आ व इन्द्रं पुरुहूतं नमे गिरा नेमिं तष्टेव सुद्र्वम्।।

(ऋग्वेद ७-३२-२०)

एक व्यक्ति अपने सत्य कर्म और उपासना से ज्ञान और स्थिर मन प्राप्त करने के लिए दयालु परमात्मा को अपनी तरफ झुका लेता है। जैसे बढ़ई सख्त लकड़ी को मोड़ कर पहिए का निर्माण कर लेता है। फिर वह व्यक्ति उस ज्ञान को उनको भी वितरित करता है जो उसके लिए योग्य है।

A person with adoration and truthful action acquires knowledge and a stable mind from the flexible God. He draws the attention of God like a carpenter bends the solid wooden circumference of the wheel. He distributes knowledge further to the deserving.

(Rig Veda 7-32-20)

यूनिफॉर्म सिविल कोड के मसौदे पर..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

असंतुलन की बात कहते हुए राज्य में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने की बात कही थी। चुनावी दौर में कही गई इस बात या घोषणा को तब लोगों ने एक चुनावी शगुफा ही समझा था लेकिन दोबारा मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने अपनी पहली ही कैबिनेट बैठक में इसका प्रस्ताव लाकर काम शुरू कर दिया था। यूनिफॉर्म सिविल कोड का प्रारूप क्या हो? इसके लिए उन्होंने 5 सदस्यीय समिति का गठन कर दिया है जो 6 माह में सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। मुख्यमंत्री धामी अब तक कई बार यूसीसी के अपने वायदे के प्रति संकल्पबद्धता को दोहरा चुके हैं। आज दिल्ली में हुई समिति की बैठक में रंजना प्रकाश देसाई, शत्रुघन सिंह, प्रमोद कोहली सुरेक्षा डंगवाल सहित सभी पांचों सदस्य मौजूद रहे।

श्रीलंका के सीडीएस ने लोगों से संयम बनाए रखने की अपील की

नई दिल्ली । श्रीलंका के लोगों से वहां के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने संयम बनाए रखने की अपील की हैं। उन्होंने लोगों से देश की कानून व्यवस्था की स्थिति को बहाल करने में सहयोग करने की अपील की है। बता दें कि, श्रीलंका में लोग आर्थिक संकट और सियासी संकट का सामना कर रह है और इसी कारण विरोध जताने सड़कों पर उतर गाएं है। सीडीएस ने लोगों से सरकारी संपत्ति को नुकसान न पहुंचाने का अनुरोध किया है। श्रीलंका में रानिल विक्रमसिंघे के कार्यवाहक राष्ट्रपति बनने के बाद हजारों सरकार विरोधी प्रदर्शनकारी कार्यवाहन राष्ट्रपति के दफ्तर में घुस आए। प्रदर्शन में मौजूद लोगों ने सैन्य सुरक्षा का घेरा तोड़ दिया और राष्ट्रीय झंडों के साथ प्रधानमंत्री कार्यालय पर धावा बोल दिया। देश के लोग राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को इस संकट के लिए जिम्मेदार मान रहे हैं। गोटाबाया ने वादा किया था कि वो 13 जुलाई को इस्तीफा देंगे लेकिन गिरफ्तारी की बढ़ती आशंका को देखते हुए वो इस्तीफे से पहले ही देश से भाग गए । चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल शावेंद्र सिल्वा का बयान ने एक बयान में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल शावेंद्र सिल्वा ने कहा कि, उन्होंने और सेना के अन्य प्रमुखों ने देश के आर्थिक और सियासी संकट का समाधान तलाशने के लिए पार्लियामेंट के स्पीकर से ऑल पार्टी मीटिंग बुलाने को कहा है।

यूपी में बीजेपी विधायक और नगर पालिका अध्यक्ष को कीचड़ से नहलाया!

लखनऊ। यूपी के महराजगंज जिले में महिलाओं की समूह ने बीजेपी विधायक जय मंगल कनौजिया और नगर पालिका अध्यक्ष कृष्ण गोपाल जायसवाल को कीचड़ में नहलाने का मामला सामने आया है। दरअसल, इलाके में कई दिनों से बारिश नहीं हो रही है, ऐसे में लोग बारिश को लेकर काफी परेशान है। इस दौरान वहां की मान्यता है कि जब कभी बारिश न हो तो ऐसे में नगर के मुखिया को कीचड़ से नहलाया जाए तो इससे इन्द्र देवता प्रसन्न होते है और बारिश होती है। महिलाओं की समूह ने इसी मान्यता के तहत भाजपा विधायक और नगर पालिका अध्यक्ष को कीचड़ से नहलाया है। यही नहीं इस दौरान महिलाओं ने लोक गीत भी गाए है। यह घटना महराजगंज के पीपरदेउरा गांव का है जहां पर कुछ महिलाओं की समूह ने विधायक जय मंगल कनौजिया और नगर पालिका अध्यक्ष कृष्ण गोपाल जायसवाल पर कीचड़ फेके और उन्हें इससे नहलाया भी है। मान्यता के अनुसार, ऐसा करने से इन्द्र देवता खुश होते है और इससे बारिश होने लगती है। इलाके के लोग इस मान्यता को श्श्काल कलूटीश्श के नाम से बुलाते है। जब कभी भी बारिश नहीं होती है तो लोग इसी तरीके से इन्द्र देवता को प्रसन्न करते है ताकि इलाके में बारिश हो। इस पर बोलते हुए विधायक जय मंगल कनौजिया ने कहा, लोग भीषण गर्मी से बेहाल हैं और इंद्र देवता को प्रसन्न करने के लिए कीचड़ से स्नान कराने की बहुत पुरानी परंपरा चली आ रही है। बारिश लाने के लिए महिलाओं ने हमें कीचड़ से नहलाया। इस घटना के बाद विधायक ने एक वीडियो भी जारी किया है जिसमें उन्होंने इस कीचड़ वाले घटना का जिक्र किया और बताया कि आखिर क्यों उन पर कीचड़ पोता गया था।

गंगोत्री से लेकर गौमुख तक लगे बम-बम भोले के जयकारे

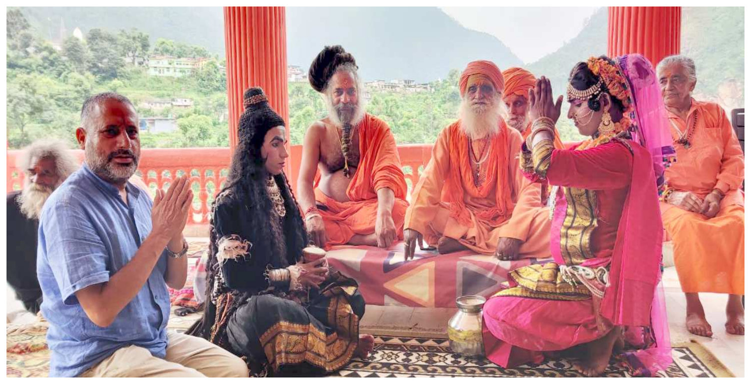

उत्तरकाशी (सं)। समूची गंगोत्री घाटी से लेकर गौमुख तक आजकल बम-बम भोले के जयकारे गूंज रहे है। आज 14 जुलाई से आधिकारिक तौर पर काँवड़ यात्रा का आगाज हो चुका है। हरिद्वार में लाखों करोड़ों की संख्या में काँवड़ यात्रियों के जुटने की उम्मीद है। उत्तर भारत के अधिकांश भगवान भोलेनाथ शिव जी के मंदिरों में माँ गँगा जी के पवित्र जल से शिवलिंग में अर्पित करने की होड़ मची है।

शिव मंदिर हों या बारह ज्योतिर्लिंग सभी जगह माँ गँगा जी के ही जल से जलाभिषेक करने की परंपरा अनादि काल से चली आ रही है।

गोमुख से लेकर गँगा सागर तक आजकल काँवड़ यात्रियों को बड़ी संख्या में माँ गंगा के किनारों पर आजकल भगवान भोलेनाथ पर गँगा जल अर्पित करने के लिए जल भरते हुए देखा जा सकता है। निन्यानबे फीसदी काँवड़ यात्री हरिद्वार से ही अपनी अपनी काँवड़ में गँगा जल भरकर ले जाते है।।

लेकिन अति उत्साही काँवड़ यात्री हजारों लाखों की संख्या में गंगोत्री तक जल भरने पहुंच रहे है। और हजारों काँवड़ यात्री माँ गँगा के उदगम गौमुख तक जल भरने पहुंच रहे है। गंगोत्री और गोमुख तक काँवड़ यात्री जुलाई के प्रथम सप्ताह से ही पहुंचने लगे थे। दरअसल गोमुख से काँवड़ में पवित्र जल भरकर काँवड़ यात्री हजारों किलोमीटर की पैदल यात्रा कर अपने अपने गंतव्य तक स्थित शिवालयों में पहुंचते है।श्रावण मास की शिवरात्रि के लिए इन दिनों प्रतिदिन हजारों कांवड़ यात्री गंगा जल भरने के लिए गंगोत्री धाम पहुंच रहे है।।जिनमें से करीब सौ डेढ़ सौ काँवड़ यात्री बम-बम भोले के जयकारों के साथ मां गंगा के उदगम स्थल गोमुख पहुंच रहे है।

आपको बताते चले कि गोमुख तक एक दिन में मात्र 150 यात्रियों को गोमुख तक जाने की विधिवत इजाजत है। यदि ये प्रतिबंध न होता तो हजारों की संख्या में यात्री, काँवड़ यात्री और पर्यटक गोमुख पहुंचते थे। गंगोत्री से लेकर उत्तरकाशी हरिद्वार तक कांवड़ भक्तों ने डेरा डालना शुरू कर दिया है। सड़कों पर कांवड़ भक्तों की टोली अभी से गंगाजल भरने के लिए गंगोत्री धाम और गोमुख पहुंचने लगे है। कई तरह की होती हैं काँवड़ जिनमे मुख्यत: डाक कांवड़, सामान्य कांवड़ व खड़ी कांवड़ है। वैसे झांकी वाली काँवड़ भी होती है। भोलेनाथ के अनन्य भक्त तरह तरह की रंग विरंगी काँवड़ के साथ, पालकी के साथ, झूमते नाचते, पैरों में घुँघरू बांधे जब सड़कों पर निकलते हैं तो सम्पूर्ण नजारा देखने लायक होता है। जगह जगह काँवड़ यात्रियों के मनोरंजन के लिए शिव पार्वती की वेशभूषा में भोलेनाथ के भजनों पर झूमते नाचने का कार्यक्रम भी चलता रहता है। भक्ति के माहौल में हर हर गंगे, हर हर महादेव के जयकारों से समूची गंगोत्री घाटी गुंजायमान होने है। काँवड़ यात्रियों की भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन ने भी कांवड़ यात्रा के बेहतर संचालन के लिए व्यवस्थाएं पूरी तरह चाक चौबंद कर दी है।

इधर मौसम वैज्ञानिकों ने अगले आने वाले चार दिनों 18 से 22 जुलाई तक भारी बारिश हाईअलर्ट जारी कर चेतावनी दी है कि इन चार दिनों तक यात्री पहाड़ों के रुख न करें। गोमुख से लेकर हरिद्वार तक के यात्रा मार्ग में हजारों की संख्या में केसरिया वेशभूषा पहने कांवड़ भक्तों को देखा जा सकता है। पैदल काँवड़ यात्रियों को निशुल्क भोजन व्यवस्था, दवा आदि उपलब्ध कराने के लिए गंगोत्री से लेकर उत्तरकाशी , मनेरी, भटवाड़ी, हर्षिल, नाकुरी, गनेशपुर, गंगोरी, उजेली, डुंडा चिन्यालीसौड़, बड़ेथी, धरासू, डुंडा, रतूड़ीसेरा, हीना, नेताला, चिन्यालीसौड़ से लेकर हरिद्वार तक दर्जनों भंडारे लगे है। उत्तरकाशी के एसपी अर्पण यदुवंशी ने बताया कि उत्तरकाशी जनपद के अंतर्गत पूरे यात्रा रूट को 6 सेक्टर में बांटा गया है। इन सेक्टरों पर पर्याप्त पुलिस फोर्स तैनात की गई है। उत्तरकाशी के डीएम अभिषेक रूहेला ने भी कहा है कि गोमुख से गंगा जल भरने के लिए एक दिन में केवल 150 कांवड़ भक्तों को जाने की अनुमति दी जाएगी।

फर्जी दस्तावेजों के सहारे बेची जमीन, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। फर्जी दस्तावेजों के सहारे हरियाण निवासी की जमीन दूसरों को बेच दी। डीआईजी के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरूग्राम हरियाणा निवासी सोहन पाल लोहिया ने डीआईजी गढवाल रेंज को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि वर्ष 2009 को एक विक्रय पत्र राजेन्द्र सिंह बिष्ट, कृपाल सिंह बिष्ट निवासी सुद्धोवाला तहसील विकास नगर जिला देहरादून व अनिल गुजराल पुत्र रामस्वरुप गुजराल निवासी आराघर के द्वारा निष्पादित कराया गया था। वह जब हाल ही में अपने उक्त प्लाट पर पहुंचा तो उसको मोके पर अपना प्लाट नही मिला आस पडोस पर पता करने पर उसको पता चला की प्लाट किसी अन्य व्यक्ति को पूर्व में विक्रय किया जा चूका है। उसको पता चला कि उक्त दोनों लोगों ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर उसका प्लाट किसी अन्य को बेच दिया है।

डीआईजी के आदेश पर प्रेमनगर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स्मैक के साथ दो गिरफ्तार

देहरादून (संवाददाता)। पुलिस ने स्मैक के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार रायवाला थाना पुलिस ने मोतीचूर फ्लाईओवर के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 7 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम जाकिर हुसैन पुत्र मौहम्मद हनीफ निवासी मियांवाला बताया। वहीं क्लेमनटाउन थाना पुलिस ने टर्नर रोड से एक युवक को साढे छह ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। जिसने अपना नाम मौहम्मद साजिद पुत्र सईद हसन निवासी आजाद कालोनी पटेलनगर बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

टैक्सी स्टैण्ड के बाहर से स्कूटी चोरी

देहरादून (संवाददाता)। चोरों ने खुले स्थान से स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गंगानगर निवासी सुरेन्द्र कुमार ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से हरिद्वार रोड टैक्सी स्टैण्ड पर आया था। उसने टैक्सी स्टैण्ड के बाहर अपनी स्कूटी खडी कर दी थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कुत्ते को मारने पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा

देहरादून (संवाददाता)। कुत्ते को बुरी तरह मारने व उसकी मौत हो जाने पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कैनाल रोड निवासी इन्द्रजीत सिंह वासुदेव ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया किसी ने सडक पर घुमने वाले कुत्ते को एक व्यक्ति द्वारा मारा गया है जिससे उसका पेट पूरा काट दिया है और उसकी अंतडिया बाहर आ गयी थी जिसका इलाज सरकारी अस्पताल मे करवाया गया था दौराने उपचार इस कुत्ते की मृत्यु हो गयी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सिर के मुंहासों से राहत दिलाने में मदद करेंगे ये पांच घरेलू नुस्खे

बालों को अच्छी तरह से न धोना, हेयर स्टाइल प्रोडक्ट्स का अधिक इस्तेमाल करना, सिर में पसीना आने के बाद उसे न साफ करना आदि की वजह स्कैल्प के रोमछिद्र बंद हो सकते हैं, जिस वजह से सिर में मुंहासे हो सकते हैं। यह एक कष्टदायक समस्या है क्योंकि इसके कारण दर्द और जलन जैसी समस्याएं होती हैं। आइए आज हम आपको पांच ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप सिर के मुंहासों से जल्द राहत पा सकते हैं।

टमाटर के रस का करें इस्तेमाल

टमाटर का रस सिर के मुंहासों के उपचार के लिए एक बेहतरीन घरेलू नुस्खा है। सैलिसिलिक एसिड से भरपूर टमाटर आपके सिर के श्रङ्क स्तर को संतुलित करके मुंहासों को धीरे-धीरे कम करने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए एक कटोरी में टमाटर का रस निकालें, फिर उससे रूई के टुकड़े को भिगोकर सिर के मुंहासों पर हल्के हाथ लगाएं। एक घंटे के बाद अपने सिर को माइल्ड शैंपू और पानी से धोकर साफ करें।

लहसुन सैलिसिलिक एसिड, एंटी-ऑक्सिडेंट, एंटी-फंगल और एंटी-वायरल गुणों से समृद्ध होता है, जो सिर के मुंहासों से राहत दिलाने में काफी मदद कर सकते हैं। शायद इससे आपके सिर से लहसुन की महक आए, लेकिन यह इसे स्वस्थ और मुंहासों से मुक्त बना सकता है। राहत के लिए लहसुन की कुछ कलियों को पानी में उबाल लें, फिर इस पानी को ठंडा करके अपने स्कैल्प पर लगाएं। ३० मिनट के बाद अपने सिर को माइल्ड शैंपू से साफ करें।

सेब का सिरका एंटी-माइक्रोबियल गुणों से भरपूर होता है, जो सिर में मुंहासें पैदा करने वाले बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद करते हैं। इसके अतिरिक्त, यह सिर के पीएच स्तर को संतुलित करके इसे बहुत अधिक तैलीय या बहुत शुष्क होने से भी बचाता है। लाभ के लिए एक कटोरी में तीन चम्मच सेब का सिरका और पानी मिलाएं, फिर शैंपू करने के बाद इस मिश्रण को अपने सिर पर लगाएं। एक मिनट बाद फिर से अपना सिर धोएं।

एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर एलोवेरा भी सिर के मुंहासों से राहत दिलाने में काफी मदद कर सकता है। यह मुहांसो के कारण होने वाली सिर में जलन और खुजली से भी जल्द राहत दिलाकर स्कैल्प को हाइड्रेट रखने समेत स्वस्थ बालों के विकास को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए ताजा एलोवेरा जेल सीधे अपने स्कैल्प पर लगाएं और 15-३० मिनट के बाद अपने सिर को सिर्फ पानी से धो लें।

एंटी-फंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुणों से समृद्ध टी ट्री ऑयल सिर के मुंहासों का इलाज काफी प्रभावी तरीके से कर सकता है। यह सिर के रोमछिद्रों को खोलकर मुंहासों को कम कर सकता है। लाभ के लिए टी ट्री ऑयल की दो-तीन बूंदों को जोजोबा ऑयल में मिलाएं, फिर इसे अपने स्कैल्प पर लगाकर हल्के हाथों से मसाज करें। एक घंटे बाद सिर को माइल्ड शैंपू से साफ करें। (आरएनएस)

तेलुगु मिस्ट्री थ्रिलर कार्तिकेय 2 का ट्रेलर यूट्यूब पर कर रहा है ट्रेंड

चंदू मोंडेती की २०14 की फिल्म कार्तिकेय के सीक्वल कार्तिकेय 2 के ट्रेलर को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। अद्भुत दृश्यों और आश्चर्यजनक तत्वों के साथ, हाल ही में रिलीज किया गया ट्रेलर यूट्यूब पर ट्रेंड कर रहा है। ट्रेलर में मुख्य अभिनेता निखिल सिद्धार्थ की बर्फ, नाव और युद्ध में एक्शन से भरपूर यात्रा को दर्शाया गया है। बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर, जो फिल्म के साथ टॉलीवुड में अपनी शुरूआत कर रहे हैं, को धन्वंतरी की भूमिका निभाते हुए और भगवान कृष्ण और द्वारका के बारे में कई रहस्यों को समझाते हुए देखा जाता है। ट्रेलर में कई सस्पेंस घटक हैं, लेकिन प्राथमिक ताकत इसके मनोरंजक संगीत और कथा में निहित है।

मुख्य भूमिका अनुपमा परमेश्वरन ने निभाई है। ट्रेलर ने तेलुगु लोगों का ध्यान खींचा है, और वे इस रहस्य-उन्मुख फिल्म के रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं। अभिनेता नागा चैतन्य ने टीम को शुभकामनाएं देने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। नागा चैतन्य ने ट्विटर पर नाट्य ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, इस सफल कॉम्बो की पेशकश करने के लिए आगे देखें।टीम वर्तमान में आगामी फिल्म के लिए पोस्ट-प्रोडक्शन कार्य पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जो इस जुलाई में एक नाटकीय रिलीज के लिए निर्धारित है। आगामी नाटक पीपल मीडिया फैक्ट्री और अभिषेक अग्रवाल आर्ट्स द्वारा नियंत्रित है, जबकि इसमें काला भैरव का संगीत है, और तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी में रिलीज के लिए स्लेटेड है।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है काढ़ा

काढ़ा एक पारंपरिक आयुर्वेदिक पेय है, जिसे कई ऐसी औषधीय सामग्रियों का इस्तेमाल करके बनाया जाता है, जो विभिन्न स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने में सक्षम हैं। यही वजह है कि कोविड-19 महामारी के बढ़ते मामलों के बीच भारतीय स्वास्थ्य मंत्रालय और आयुष मंत्रालय ने रोजाना इस कप काढ़ा पीने की सलाह दी थी। यह पेय रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने समते त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद कर सकता है। आइए आज रोजाना काढ़ा पीने के फायदे जानते हैं।

घर पर काढ़ा कैसे बनाते हैं?

सबसे पहले एक पैन में दो कप पानी गर्म करें, फिर उसमें अदरक, दालचीनी, लौंग, इलायची, गुड़, तुलसी के पत्ते और काली मिर्च की थोड़ी-थोड़ी मात्रा डालें, फिर 2० मिनट तक पानी को मध्यम आंच पर रखने के बाद मिश्रण को कप में डालकर पिएं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में है सहायक

अगर आप रोजाना सिर्फ एक कप काढ़ा पीते हैं तो इससे आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती मिल सकती है क्योंकि यह पेय कई तरह के एंटी-ऑक्सिडेंट और विटामिन्स से भरपूर होता है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सिडेंट हानिकारक बैक्टीरिया और मुक्त कणों से शरीर को बचाने में मददगार हैं और आंतरिक संक्रमण और बीमारियों के विकास के जोखिम को कम कर सकते हैं। आयुष मंत्रालय के अनुसार, काढ़े का सेवन कोविड-19 से लड़ने में प्रभावी है।

पाचन के लिए है फायदेमंद

अगर आप अकसर गैस, कब्ज और अपच जैसी पेट से जुड़ी बीमारियों से परेशान रहते हैं तो अपनी डाइट में काढ़े को जरूर शामिल करें। यह पेट की खराबी को शांत करने और पाचन को स्वस्थ रखने में काफी मदद कर सकता है। यह गर्म पेय पाचन क्रिया के ब्लड सर्कुलेशन को सुधारने और मुक्त कणों से लड़ता है, जो अपच की समस्या पैदा कर सकते हैं। वहीं, इसमें मौजूद फिनोल पेट और आंतों की मांसपेशियों को मजबूत करता है।

वजन घटाने में है मददगार

विभिन्न आवश्यक जड़ी-बूटियों से बनाया जाने वाला काढ़ा आपके पेट को लंबे समय तक भरा हुआ रखता है, जिससे आप अतिरिक्त कैलोरी का सेवन करने से बच जाते हैं और अपने बढ़ते वजन पर काबू पा सकते हैं। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सिडेंट शरीर की अतिरिक्त कैलोरी को बर्न करने में मदद करते हैं। अगर आप किसी वजन घटाने वाली डाइट पर हैं तो अपनी डाइटीशियन की सलाह लेकर रोजाना दिन में दो बार काढ़े का सेवन करें।

तनाव से राहत दिलाने में है कारगर

हर किसी को किसी न किसी कारण तनाव होता है जिसके चलते व्यक्ति को समझ नहीं आता कि उसे क्या करना चाहिए। हालांकि, अगर आप चाहें तो रोजाना एक कप काढ़े का सेवन करके तनाव से राहत पा सकते हैं। दरअसल, काढ़े में एडाप्टोजेनिक गुण होता है, जो एक स्ट्रेस बस्टर के रूप में काम करता है और तनाव और चिंता के लक्षणों को दूर करने में मदद करता है।

त्वचा और बालों के लिए भी है स्वास्थ्यवर्धक

हर रोज एक कप काढ़े का सेवन करने से बालों और त्वचा से जुड़ी समस्याओं को कम करने में भी मदद मिल सकती है। इस पेय में मौजूद प्राकृतिक तत्व हानिकारक विषाक्त पदार्थों को खत्म करने में मदद करते हैं और आपकी त्वचा को साफ और चमकदार बनाते हैं। इसके अतिरिक्त, यह समय से पहले उभरते बढ़ती उम्र के प्रभाव को भी दूर कर सकता है। यह स्वास्थ्यवर्धक पेय बालों को भी मजबूत करने में मददगार है। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -91

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

1		2		3		4		5
		6				7		
8	9			10	11			
12		12ए		13		14		15
		16				17		
18	19			20	21			
22				23				24

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 90 का हल

प	सं	द		सिं	हा	स	न	
ख		म	ज	दू	र		का	म
वा	द	क		र		सं	ब	ल
ड़		ल	ज्जा		म	स्का		य
	बा			बि	हा	र		
सु	धा	क	र		न			औ
रं		म		कि	ता	ब		स
ग		अ	र	सा		हु	ज्ज	त
	श	क्ल		न	मि	त		न

100 करोड़ क्लब में शामिल हुई वरुण-कियारा की फिल्म जुग जुग जियो

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन और अभिनेत्री कियारा आडवाणी की जोड़ी वाली फिल्म जुग जुग जियो ने 'वर्ल्ड वाइड १०० करोड़ की कमाई कर ली है। राज मेहता द्वारा निर्देशित फिल्म 'जुगजुग जियो' की कहानी एक पंजाबी फैमिली के दो कपल के बीच तीखी नोकझोंक पर आधारित है, जिसमें दोनों ही तलाक के लिए संघर्ष करते हुए नजर आये।

करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस धर्मा प्रोडक्शंस और वायकॉम 18 के बैनर तले बनी यह फिल्म 24 जून को रिलीज हुयी है। इस फिल्म में वरुण धवन और कियारा आडवाणी ने मुख्य भूमिका निभायी है। इस फैमिली ड्रामा में वरुण-कियारा के अलावा अनिल कपूर और नीतू कपूर भी एक साथ पर्दे पर नजर आए हैं। फिल्म 'जुग जुग जियो' बॉक्स ऑफिस पर १०० करोड़ के पार पहुंच गई है। वरुण ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर फैंस को यह खुशखबरी दी है।

सोशल मीडिया पर वरुण धवन ने एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें वह और कियारा हाथ थामें खड़े हैं और पोस्टर में लिखा है 'वर्ल्ड वाइड ग्रॉस कलेक्शन १०० करोड़ के पार'। इसके कैप्शन में वरूण ने ने लिखा, 'हम १०० करोड़ पार हो गए, आप सबका जितना धन्यवाद करें उतना कम है, आप सभी जुग जुग जियो'.

विक्रम के बाद पुष्पा-2 में धमाका करेंगे विजय सेतुपति

भारतीय बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों दक्षिण भारत की फिल्मों का वर्चस्व चल रहा है। कुछ सप्ताह पूर्व प्रदर्शित हुई कमल हासन निर्मित अभिनीत विक्रम में नजर आए फहाद फासिल अपनी अगली फिल्म पुष्पा-2 को लेकर चर्चाओं में हैं। अल्लू अर्जुन की पुष्पा: द राइज ने बॉक्स ऑफिस पर तूफान बरपा दिया था, जिसके अन्तिम ३० मिनट में फहाद फासिल ने धमाकेदार एंट्री मारी थी। अब कहा जा रहा है कि इस फिल्म में इन दिनों विक्रम को लेकर चर्चाओं में आए विजय सेतुपति भी अल्लू अर्जुन से दो-दो हाथ करने की तैयारी में हैं। जब से सिनेमाई गलियारों में यह समाचार फैला है तब से इस फिल्म की चर्चा फिर से होने लगी है।

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की लीड रोल वाली फिल्म पुष्पा को लेकर अब एक नया अपडेट सामने आया है। अब फहाद फासिल के बाद विजय सेतुपति भी फिल्म में पुलिस के रोल में नजर आने वाले है। बताया जा रहा है कि फिल्म के डायरेक्टर सुकुमार इस मूवी को हिट बनाने के लिए हर तरीके के प्रयोग कर रहे है। विजय सेतुपति की फिल्म में एंट्री लगभग तय मानी जा रही है। बताया जा है कि विजय सेतुपति इस फिल्म में खास रोल में नजर आ सकते है, जो फिल्म को एक नई दिशा देना वाला है। विजय सेतुपति की एंट्री की खबर सामने आने के बाद फैंस काफी खुश नजर आ रहे है।

विजय सेतुपति के रोल को लेकर अभी ये खुलासा हुआ है कि वो एक पुलिस वाले की भूमिका में नजर आने वाले है। लेकिन वो पुलिसवाला फहाद फासिल जैसा होगा या अलग इसको लेकर कोई खुलासा नहीं हुआ है। लेकिन दर्शकों अब फिल्म में डबल धमाका देखने को मिलने वाला है, ये तय है।

रजत कपूर की आरके/रेके 22 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी

मल्लिका शेरावत और कुब्रा सैत अभिनीत फिल्म निर्माता रजत कपूर की आगामी फिल्म आरके/रेके 22 जुलाई को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

फिल्म एक चिंतित निर्देशक (आरके) की कहानी बताती है, जिसने अपनी नई फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है, लेकिन एडिट टेबल पर चीजें बहुत उज्जवल नहीं दिख रही हैं। उसके पास कयामत की आसन्न भावना है।

जैसा कि किस्मत में होगा, उसका सबसे बुरा सपना सच हो जाता है जब उसे संपादन कक्ष से एक परेशान करने वाला फोन आता है जिसमें कहा जाता है कि फिल्म का नायक स्क्रीन से बाहर कूद गया, फिल्म के कथानक पर नियंत्रण कर रहा है।

कॉमेडी फिल्म को शंघाई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, रिवर टू रिवर फेस्टिवल इन फ्लोरेंस, बुकियन इंटरनेशनल फैंटास्टिक फिल्म फेस्टिवल, ऑस्टिन फिल्म फेस्टिवल और पुणे इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल सहित कई अंतरराष्ट्रीय समारोहों में पहले ही प्रदर्शित और सराहा जा चुका है।

फिल्म के बारे में बात करते हुए, रजत ने कहा, आरके/रेके एक ऐसा विचार है जो लगभग पिछले १० वर्षों से मेरे साथ था। धीरे-धीरे यह अपने वर्तमान स्वरूप को खोजने के लिए विकसित हुआ। यह एक पागल फिल्म है और मेरा मतलब है कि इसमें पागल का सर्वोत्तम संभव अर्थ। यह अपरंपरागत है, यह निराला और मजेदार है और इसका एक अलग स्वाद है। इसे अपने दर्शकों के साथ साझा करने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।

प्रियांशी फिल्म्स द्वारा निर्मित फिल्म में मल्लिका शेरावत, कुब्रा सैत, रणवीर शौरी, मनु ऋषि चड्ढा, चंद्रचूर राय, अभिजीत देशपांडे, अभिषेक शर्मा, ग्रेस गिरधर और वैशाली मल्हारा प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

इस फिल्म को रजत कपूर द्वारा लिखा गया है।(आरएनएस)

सलमान खान के साथ नो एंट्री-2 में नजर आ सकती हैं सामंथा रुथ प्रभु

टॉलीवुड फिल्म एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु द फैमिली मैन 2 और अल्लू अर्जुन स्टारर फिल्म पुष्पा के डांस नंबर उ अंटावा की जबरदस्त सफलता के बाद एक बार फिर से हिन्दी दर्शकों को रोमांचित करने जा रही हैं। बताया जा रहा है कि सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपनी पहली पैन इंडिया फिल्म यशोदा के साथ हिन्दी दर्शकों से रू-ब-रू होने की तैयारी में हैं, वहीं दूसरी ओर वे सलमान खान के साथ अनीस बज्मी के निर्देशन में बनने जा रही फिल्म नो एंट्री-2 में भी नजर आने वाली हैं। अपने पति नागा चैतन्य को तलाक देने के बाद एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपने काम पर फोकस कर रही हैं।

ताजा जानकारी के मुताबिक सुपरस्टार सलमान खान की आने वाली कॉमेडी जौनर की फिल्म नो एंट्री 2 में अदाकारा सामंथा रुथ प्रभु की एंट्री हो सकती है। मिली जानकारी के मुताबिक इस फिल्म के लिए साउथ सिनेमा की 4 बड़ी अदाकाराओं के नाम पर चर्चा चल रही है। जिसमें सामंथा रुथ प्रभु, रश्मिका मंदाना, पूजा हेगड़े और अदाकारा तमन्ना भाटिया का नाम सामने आया है। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बॉलीवुड लाइफ को बताया है कि इन चारों को ही फिल्म नो एंट्री 2 में कास्ट किया जा सकता है। फिल्म में सलमान खान के अलावा अनिल कपूर और फरदीन खान लीड रोल में होंगे। जिसमें फरदीन खान ट्रिपल रोल निभाने वाले हैं।

सूत्र के मुताबिक फिल्म में करीब १० एक्ट्रेसेस की एंट्री होने वाली है। जिसमें इन चारों साउथ एक्ट्रेस के नाम पर विचार किया जा रहा है। ये एक्ट्रेसेस साउथ सिनेमा की बड़ी स्टार हैं। जिनके होने से फिल्म को पैन इंडिया स्तर पर आसानी से पहुंच मिल सकेगी। सामंथा रुथ प्रभु और रश्मिका मंदाना पहले ही फिल्म पुष्पा के जरिए नॉर्थ इंडियन दर्शकों के बीच पॉपुलेरिटी हासिल कर चुकी हैं। जबकि पूजा हेगड़े सुपरस्टार सलमान खान की फिल्म कभी ईद कभी दिवाली में काम कर रही हैं। ऐसे में इस फिल्म में उनकी एंट्री होना काफी ज्यादा संभावित है। वहीं तमन्ना भाटिया हिम्मतवाला और बाहुबली की वजह से नॉर्थ इंडियन दर्शकों के बीच पॉपुलर हैं।

वाणी कपूर के सामने शर्टलेस हुए रणबीर कपूर

बॉलिवुड ऐक्टर रणबीर कपूर इन दिनों अपनी फिल्मों और पर्सनल लाइफ दोनों को लेकर सुर्खियों में बने हुए है। एक तरफ उनकी नई-नवेली दुल्हन आलिया भट्ट मां बनने वाली वहीं, दूसरी तरफ रणबीर की दो फ़िल्में शमशेरा और ब्रह्मास्त्र रिलीज के लिए तैयार हैं। शमशेरा में रणबीर के साथ वाणी कपूर नजर आने वाली है। दोनों अपनी अपकमिंग फिल्म के प्रमोशन में जुटे हुए हैं। फिल्म रिलीज से पहले, रणबीर और वाणी कपूर ने एक बेहद सिजलिंग फोटोशूट करवाया गया है। जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है।

मैरून कलर का पैंट और ब्लेजर पहने रणबीर कपूर इन तस्वीरों में सिक्स-पैक एब्स फ्लॉन्ट करते हुए नजर आ रहे हैं। रणबीर को मैचिंग पैंट और कूल शेड्स के साथ बिना बटन वाला मैरून ब्लेजर पहने देखा जा सकता है।

उन्होंने गले में दो लॉकेट भी पहने हुए हैं। इन तस्वीरों में दोनों की सिजलिंग केमेस्ट्री देखने को मिल रही है। दोनों एक-दूसरे की आंखों में डूबे हुए हैं।

वाणी कपूर के लुक की बात करे तो एक्ट्रेस ने काले रंग के प्लंजनिंग नेकलाइन वाला आउटफिट पहना हुआ है। वाणी कपूर ने जो तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की है उसके साथ उन्होंने कैप्शन में किरदारों के नाम रिवील किए हैं। उन्होंने कपल इमोजी के साथ बल्ली और सोना लिखा है।

बता दे, रणबीर कपूर और वाणी कपूर स्टारर फिल्म शमशेरा 22 जुलाई 2०22 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया जा चुका है, जिसके बाद दर्शक फिल्म देखने के लिए एक्साइटेड नजर आ रहे हैं। इस फिल्म में संजय दत्त भी हैं। शमशेरा हिंदी के साथ तमिल और तेलुगू भाषा में भी रिलीज होगी।

प्रेग्नेंसी अनाउंसमेंट के बाद आलिया ने पहली बार कराया फोटोशूट

आलिया भट्ट ने अभी हाल ही में इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर बताया है कि वो मां बनने वाली है। तब वो सोशल मीडिया से लेकर हर जगह चर्चा में बनी हुई है। अभी हाल में उनकी कुछ तस्वीरें वायरल हुई थी, जिसमें वो करण जौहर और करीना कपूर के साथ नजर आ रही है। अब आलिया ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की है जिसमें वो एकदम अलग लुक में नजर आ रही है। उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। तो चलिए देखते है आलिया की नई तस्वीरें जो इस समय सोशल मीडिया पर छाई हुई है।

आलिया भट्ट ने अभी हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की है। जो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। आलिया भट्ट ने जो तस्वीरें शेयर की है। उनमें वो टाइट ड्रेस पहने हुए नजर आ रही है। जो बेहद प्यारी लग रही है। आलिया भट्ट इस तस्वीर में अपनी रिंग फ्लॉन्ट करती हुई दिखाई दे रही है। जिसे फैंस देखते रह जा रहे है। आलिया भट्ट इन तस्वीरों में छोटी और टाइट ड्रेस पहनकर किलर पोज देती हुई दिखाई दे रही है। आलिया भट्ट ने जो तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की है, वो खूब वायरल हो रही हैं। फैंस इन तस्वीरों को खूब शेयर कर रहे है। आलिया ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से कुछ समय पहले ये फोटो शेयर की थी। ये तस्वीर फैंस को खूब पसंद आई थी। आलिया ने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर कर बताया था कि वो मां बनने वाली है। आलिया ने जो फोटो शेयर की थी, उसमें रणबीर कपूर भी उनके साथ दिख रहे थे।

‘सभ्यता’ में ‘असभ्य’ मनुष्य नियति!

हरिशंकर व्यास

मनुष्य सभ्यता के पिंजरों का वह पालतू जीव है, जिसके दिमाग में समझदारी, तर्कसंगतता-चेतनता याकि विजडम, रैशनालिटी की बुद्धि इसलिए नहीं बन सकती है क्योंकि वह पिंजरे में कुंद है। मनुष्य पांच हजार वर्षों से सभ्यता के पिंजरे में जब कुलीन वर्ग के सिखाए रट्टे (धर्म-समाज-राजनीति) का तोता है तो उसे यह सुध कैसे हो कि वह मनुष्य है और मनुष्य होने का उसका अर्थ और गरिमा तभी है जब दिमाग चेतन हो। समझदार हो। सत्य और झूठ के अंतर को बूझने की रैशनालिटी लिए हुए हो।

प्रलय का मुहाना -31ः बकौल अर्नोल्ड टॉयनबी सभ्यताएं आईं और गईं और ‘सभ्यता’ आगे बढ़ती गई। सवाल है इससे मनुष्य का क्या हुआ? क्या मनुष्य सभ्य और समझदार हुआ? सभ्यता ने मनुष्य को सिविलाइज्ड और विजडम से भरा-पूरा बनाया? क्या मनुष्य अपनी वैयक्तिकता में दिमाग, बुद्धि और स्वभाव में सभ्य-समझदार जिंदगी जी रहा है? ये सवाल मानव समाज, पृथ्वी और पर्यावरण के मौजूदा संकट की बुनियाद हैं। यदि व्यक्ति और उसकी वैयक्तिक जिंदगी सभ्य होती तो इतिहास वह नहीं होता है जो है। मानव द्वारा मानव के लिए सभ्यता का निर्माण बुनियादी तौर पर तो इंसानी खोपड़ी की प्रगति से था, जिसमें उसकी बेहतरी उद्देश्य था। दिमाग से पशुगत प्रवृत्तियों को मिटाना था। दिमाग को विवेकी, तर्कसंगत और समझदार बनाना था। लेकिन हुआ क्या? मनुष्य स्वनिर्मित मायाजाल में अपने को भुला बैठा। मान लिया कि विकास और व्यवस्था की सभ्यता मतलब मनुष्य सभ्य!

भला कैसे? ऐसा मानना इस मान्यता में है कि मनुष्य जब सभ्यता की चौखट और चारदिवारी के भीतर जिंदगी जी रहा है तो वह कायदों में पाबंद है। सभ्यता वह घर है, जो भगवानजी और पृथ्वी माता की देन है और उसका घरवासी होना सभ्य होना है क्योंकि हर मनुष्य धर्मानुगत व्यवस्था से संचालित है। ऐसे ही यह बोध भी पुराना है कि सभ्यता मोटा-मोटी सामूहिक जीवन, सामुदायिकता में मनुष्यों का सभ्य आचार-विचार है तो इसलिए भी नागरिक का दिमाग अपने आप सभ्य!

तब पांच हजार वर्षों में सभ्यताओं के झमेले में मनुष्य ने कितनी समझदारी दिखाई? क्यों महाभारत हुए? जिंदगी के अनुभवों व संस्कारों से मानव पीढ़ियां क्यों सभ्य नहीं हुईं?

सभ्य बनने का मुगालता

लगता है सुमेर की पहली सभ्यता से ही मनुष्य का यह मुगालता है कि जब वह प्रकृति की नकल (कृषि) कर अपने बूते जीवनयापन संभव बना सकता है तो ऐसा होना सभ्य, श्रेष्ठ बन जाने का प्रमाण है। तमाम पशुओं से बेहतर और जंगल के राजा के बोध ने मनुष्य को अंधा बनाया। चिम्पांजी सहित तमाम जीव-जंतुओं से यदि वह अलग जिंदगी बनाए हुए है और जंगली, आदिम हिंसा की बर्बरता छोड़ चुका है तो यह उसके सभ्य बनने का प्रमाण है। सुमेर में पुजारी, राजा, कुलीन वर्ग ने जब सभ्यता का ताना-बाना बनाया और लोगों के लिए धर्म, समाज व राजनीति में गुंथी जीवन पद्धति बनी तो उसके बाद स्थायी तौर पर यह माना जाता है कि सभी मनुष्यों की वैयक्तिक बुद्धि का सभ्यता की तरह सभ्य व्यवहार में रूपांतरण है।

जबकि सत्य यह है कि और सभ्यता तथा व्यक्ति दोनों के आचरण में पशुगत प्रवृत्तियों में जस के तस व्यवहार चला आ रहा है।

कम आश्चर्य की बात नहीं जो दुनिया में हर तरफ व्यक्ति इस बोध में जीता है कि वह सभ्य है। हम और हमारी सभ्यता सबसे बेहतर है। और बेहतर होना शुरुआत से जन्मजात! जैसे हिंदुओं में माना जाता है वैसे बाकी सभ्यताओं में भी माना जाता है कि सनातनी सभ्यता अच्छी थी। वह सभ्य समाज का सभ्य काल था। देवताओं ने हमें बनाया इसलिए हम विश्वगुरू! हां, अब जरूर कलियुग है और असभ्य लोगों का बोलबाला है। ऐसा मनोविज्ञान सर्वत्र है कि पहले वक्त अच्छा था और अब खराब। पहले लोग अच्छे थे, अब खराब। पहले सभ्य थे और अब असभ्य। इस सर्वदेशीय मनोभाव में मनुष्यों का यह आम गरूर भी काम करता होता है कि हमने कितनी प्रगति की है। हम बाकी पशुओं से कितने अलग और खास हैं। जाहिर है अलग और खास की धारणा नियोलिथिक काल में कबीलाओं के ओझा-पुजारियों के बनवाए उस सिलसिले का परिणाम है, जिसमें अलौकिक शक्तियों, ईश्वर, स्वर्ग-नरक, राजा और कुलीन वर्ग की छत्रछाया में मनुष्यों की जीवन पद्धति का निर्माण था।

विकलांगों की कुलीन ठेकेदारी

उस नाते सभ्यता वह दुष्चक्र है, वह घुट्टी है, जिससे मनुष्य दिमाग स्थायी तौर पर पंगु और विकलांग हुआ है। वह सभ्यता के जाले को तोड़ कर सोच नहीं सकता है कि क्या सच है और क्या गलत? सभ्यता वह मायाजाल है, जिसमें हर इंसान इस मतिभ्रम में जिंदगी गुजारता है कि वह सभ्य है, जबकि होता नहीं है। न व्यक्ति के स्तर पर और न समाज, समुदाय, नस्ल और देशों के स्तर पर। तभी यह प्राथमिकता नहीं बनती कि पहले नागरिक सभ्य बने। इसलिए क्योंकि तब कुलीन वर्ग का अस्तित्व खतरे में पड़ेगा। शायद यहीं वजह है, जिससे सभ्यताएं बनीं और खत्म होती गईं। सभ्यताओं का उत्थान-पतन यदि परिस्थितियों और कुलीन वर्ग की पैदाइश से है तो श्रेष्ठिजनों की स्वार्थपरकता और आम लोगों की बुद्धिहीनता व असभ्य व्यवहार सचमुच में पतन के निर्णायक कारण है।

इसलिए हिसाब से हर सभ्यता की पहली प्राथमिकता लोगों के वैयक्तिक जीवन को सभ्य और समझदार बनवाने की होनी चाहिए थी। ऐसा होता तो न केवल मजबूत सभ्यता बनती, बल्कि वह दीर्घायु और टिकाऊ होती। लेकिन पांच हजार वर्षों का अनुभव है कि सभ्यताओं ने प्रजा को, मनुष्यों को सभ्य नहीं बनाया। उलटे व्यक्ति और वैयक्तिक बुद्धि की ठेकेदारी में लोगों को अज्ञानी और मूर्ख बनाए रखा। नतीजतन बार-बार उत्थान-पतन की दास्तां।

मनुष्य पांच हजार वर्षों से सभ्यता रूपी घर के भीतर कुलीन वर्ग की ठेकेदारी में जीता चला आ रहा है। मनुष्य दिमाग हमेशा ठेकेदारों, कुलीन वर्ग के अधीन रहा है। दिमाग में उसी ज्ञान का विस्तार होता गया है, जिसे नियोलिथिक काल में कबीलों के ओझाओं-पुजारियों ने भरना शुरू किया था। पिछले पांच हजार वर्षों में सभ्यताओं का माई-बाप धर्म है। सुमेर से लेकर मिस्र, सिंधु नदी, चाइनीज, ग्रीक, रोम और ईसाई व इस्लामी सभ्यता की सभी चारदिवारियों में मनुष्य जीवन का कुल लब्बोलुआब जादू-टोनों, अंधविश्वास और आस्थाओं में सांस लेते हुए जीने का है। सभ्यता की नींव ही क्योंकि जादू-टोनों, पुजारियों और धर्म से है तो आदिकालीन ओझाओं से लेकर ईसा पूर्व और बाद के दार्शनिकों, धर्मगुरूओं, ईश्वर अवतार सभी ने मनुष्य के आगे वे सोल्यूशन रखे, जिनमें उनके दिमाग को सिर्फ फॉलो करना था। त्रासद सत्य है कि सभ्यता के प्रर्वतकों-प्रायोजकों और दार्शनिकों ने मनुष्य की खास वैयक्तिक दिमाग रचना को उड़ने का मौका नहीं दिया। उलटे ये मत बने कि मनुष्य सामाजिक पशु है या राजनीतिक पशु। ये काबू में तभी रहेंगे जब आबादी का छोटा अभिजात वर्ग उर्फ अरिस्टोक्रैट (धर्माचार्य, ईश्वर, ईश्वर के अवतारी राजा और शासन के पुरोहित, श्रेष्ठिजन) लोगों को धर्म, राष्ट्र-राज्य जैसी साझा उपलब्धियों के लिए प्रेरित करते हुए हों। जैसे हम सनातनियों की मान्यताओं में राजा और उसके पथप्रदर्शक ऋषि-मुनियों-धर्माचार्यों के कुलीन वर्ग से समाज के जीवन में सुख-शांति और समृद्धि का आइडिया पैठा हुआ है तो ऐसा बाकी प्राचीन सभ्यताओं में भी है।

उस नाते मनुष्य और उसके वैयक्तिक दिमाग को समझदार-सभ्य बनाने की जरूरत ही नहीं। सब कुछ उस विशिष्ट वर्ग से होना है जो सभ्यतागत स्तर पर समाज के जीवन को चलाने के लिए भौतिक उपलब्धियां बनवाए रखे। अर्नोल्ड टॉयनबी और हॉब्स दोनों ने सभ्य समाज की प्रगति में उन ‘कुलीनों’ के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया है, जिनसे साझा प्राप्तियां होती हैं। बकौल एंथनी पैग्डेन- सभ्यता का दार्शनिक इतिहास दरअसल प्रगतिशील जटिलताओं और परिशोधन का इतिहास है।

सू- दोकू क्र.91

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।

2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।

3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.90 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

संतोष का इस्तीफा बना भाजपा कांग्रेस में असंतोष का सबब

अर्जुन झा

दल्ली राजहरा नगर पालिका परिषद के उपाध्यक्ष संतोष देवांगन का इस्तीफा भाजपा और कांग्रेस में असंतोष का सबब बन गया है।

भाजपा नगर पालिका अध्यक्ष के चुनाव में बहुमत के बावजूद मात खाने वाली भाजपा कथित भीतरघात के कारण पार्टी से बेदखल किये गए संतोष देवांगन के इस्तीफे से उत्साहित होकर अपना उपाध्यक्ष बनवाने की तैयारी में है तो कांग्रेस भी चाहती है कि उपाध्यक्ष के पद पर उसका कोई पार्षद बैठ जाये।

कांग्रेस और भाजपा ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है कि जैसे ही नए उपाध्यक्ष का चुनाव हो, सारी ताकत झोंक दी जाय। दोनों पार्टियां एक दूसरे के घर में सेंधमारी से भी पीछे नहीं हटेंगी। सियासी गलियारों में चर्चा है कि दोनों मुख्य पार्टियों को भीतरघात का अंदेशा भी सता रहा है। भाजपा में इस्तीफे का हल्ला मचा हुआ है तो भाजपा संगठन इस असंतोष को शांत करने के लिए संयम से काम ले रहा है। भाजपा संगठन की रणनीति के बारे में कहा जा रहा है कि एक बार धोखा खा चुकी भाजपा फूंक फूंककर कदम रख रही है। भाजपा संगठन का प्रयास है कि सामंजस्य स्थापित करके नाराज कार्यकर्ताओं को एकजुट किया जाय। भाजपा की इस सधी हुई रणनीति का असर कांग्रेस पर पड़ने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। क्योंकि कांग्रेस में भी महत्वाकांक्षी नेताओं की कोई कमी नहीं है। इसलिए आशंका जताई जा रही है कि जो हलचल भाजपा में मची है, वही कांग्रेस में भी सामने आ सकती है। यहां दिलचस्प बात यह है कि संतोष देवांगन का तो सियासी हश्र होना था, वह हो गया लेकिन भाजपा और कांग्रेस में अफरातफरी मच गई है।

भाजपा में इस्तीफे के दौर को देखते हुए कांग्रेस भी सहम सकती है कि जो वहां हो रहा है, उसे तो भाजपा अनुशासन के नाम पर संयमित करने की कोशिश कर सकती है लेकिन अगर यहां इस्तीफों की बरसात हो गई तो क्या होगा। बहरहाल दल्लीराजहरा का सियासी घटनाक्रम चर्चाओं में छाया हुआ है और बालोद जिले की राजनीति में दोहरी उथलपुथल की आशंका व्यक्त की जा रही है। बेहतर होगा कि कांग्रेस और भाजपा अपनी अंतर्कलह पर काबू करें और नगरपालिका के काम पर ध्यान दें क्योंकि जनता के हित प्रभावित हो रहे हैं। संतोष के चक्कर में यह असंतोष दोनों ही दलों के लिए घातक साबित हो सकता है।

तेलुगू फिल्म सीता रामम का टीजर आउट

टॉलीवुड प्रोडक्शन हाउस वैजयंती मूवीज की बहुप्रतीक्षित रोमांटिक गाथा सीता रामम में दलकर सलमान और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिका में हैं, जिसमें रश्मिका मंदाना एक साहसिक भूमिका में हैं।

मोहक तरीके से आकर्षक प्रेम कहानियां बनाने में विशेषज्ञ, हनु राघवपुडी फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं, जबकि अश्विनी दत्त और प्रियंका दत्त इसे स्वप्ना सिनेमा के तहत प्रोड्यूस कर रहे हैं।

फिल्म का टीजर अब दर्शकों को कश्मीर घाटी में एक अकेले सैनिक के रूप में गश्त कर रहे एक अनाथ लेफ्टिनेंट राम की दुनिया में ले जाता है। उनके पास पत्र लिखने वाला भी कोई नहीं है। एक दिन, उन्हें सीता महालक्ष्मी का एक पत्र मिलता है जो उनकी पत्नी होने का दावा करती है। मृणाल अपने परिचय दृश्य में दुर्गा मां की तरह दिखाई देती हैं, हालांकि उनके चरित्र का नाम सीता है। यह एक जादुई प्रेम कहानी है जिसका टीजर वादा करता है। कहानी 1965 की पृष्ठभूमि में सेट की गई है और सेटिंग्स इस अवधि के दौरान संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती हैं। दुलारे सलमान और मृणाल ठाकुर की शानदार केमिस्ट्री हमें उनकी खूबसूरत रोमांटिक दुनिया में ले जाती है। ठाकुर ने दुलकर के साथ एक आदर्श जोड़ी बनाई। दोनों को एक साथ पर्दे पर देखना किसी के लिए भी खुशी की बात है। (आरएनएस)

पहली पत्नी के होते दूसरा विवाह करने पर पति सहित चार पर केस दर्ज

संवाददाता

देहरादून। पहली पत्नी के होते दूसरा विवाह करने के मामले में पुलिस ने पति सहित चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वसुन्धरा एनक्लेव निवासी महिला ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह काफी समय से प्राइवेट कार्य कर अपने व अपने परिवार का पालन पोषण करती थी इसी बीच उसकी मुलाकात मुरली पुत्र शिवबरन निवासी सिद्धार्थ बिहार कालोनी, राजपुर रोड, कण्डोली, से हुई तथा मुरली ने उसको अपने प्यार के झांसे में ले लिया व शादी के लिए दबाव बनाने लगा। 11 मार्च 2016 को उसकी माता द्वारा पुनः धूमध ाम से विवाह समाज में कराया गया। विवाह के कुछ दिनों बाद मुरली उसको अपने घर ले गया। जहां पर उसकी सास ससुर व ननद ने उसका शोषण करना शुरू कर दिया और उसके साथ मारपीट करने लगे। मुरली ने भी उसके सारे जेवरात गिरवी रख शराब पीने लगा तथा उसके साथ मारपीट करने लगा इस दौरान उसने कई बार अपनी मां से पैसे लाकर इन लोगों को दिये। जिसके बाद उसको पता चला कि उसके रहते हुए मुरली ने दूसरा विवाह कर लिया है तथा उसको मारपीट कर घर से निकाल दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पांच लाख रुपये से भरा बैग चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने पांच लाख रूपये से भरा बैग चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जीएमएस रोड निवासी जितेन्द्र पाल सिंह ने कोतवाली नगर में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह प्रातः 10 बजे साराश एग्रो सोल्यूशन्स,यूजीएफ लक्ष्मी प्लाजा काँम्पलेक्स,गाँधी रोड देहरादून स्थित अपने कार्यालय पहुँचा।

प्रतिदिन की तरह उसका कार्यालय सहायक द्वारा उसकी गाड़ी से गोल्डन ब्राउन लैदर लैपटाप बैग व काले रंग का डाँक्यूमेंट बैग लेकर उसके कार्यालय में पहुँचा। वह अपने लैपटाप बैग से लैपटाँप निकालकर बैग को अपने दांयी ओर रख दिया। व अपने दैनिक कार्यो में व्यस्त हो गया। सांय के समय उसने देखा कि उसका लैदर का बैग अपने स्थान पर नहीं है जिसमें उसके पांच लाख रूपये पडे थे। उसने सब जगह बैग को तलाशा लेकिन उसका कुछ पता नही चल सका। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मकान का ताला तोडकर लाखों के जेवरात व शराब की पेटी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोडकर वहां से लाखों के जेवरात व एक शराब की डेढ पेटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सरस्वती विहार निवासी चन्द्र प्रकाश ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपनी पत्नि के साथ श्रीमती रश्मिता सेमवाल के साथ` किराये पर रह रहा था उसके मकान मालिक प्रथमतल पर रहते है भूतल पर एक अन्य परिवार रहता है। वह छुट्टी आया हुआ था कल उसकी तबियत खराब थी तथा रात में ज्यादा तकलीफ होने लगी तो उसकी पत्नि और वह थोडी दूर उसकी पत्नि के भाई के परिवार रहता है तो वह लोग रात उनके यहां चले गये दूसरे दिन वह तथा उसकी पत्नि वापस कमरे पर आये तो दरवाजे का ताला नही था अन्दर आकर देखा तो सामान बिखरा पडा था चैक किया तो उसकी पत्नि के गहने तथा सोनी का कैमरा व उसके द्वारा कैन्टीन से लायी हुयी शराब अलग-अलग ब्राण्ड की लगभग डेढ पेटी व पीठू बैग मौजूद नही था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

छात्रवृत्ति घोटाले में 2 साल से फरार 15.. ▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

के पाठ्यक्रमों में छात्रों का प्रवेश एवं काउन्सलिंग का कार्य किया जाता था। यह कालेज मानव भारती सोलन हिमाचल प्रदेश से एफिलेटिड था। उक्त पाठ्यक्रमो में शामिल होने वाले छात्रो की छात्रवृत्ति का पैसा लगभग 25 लाख रूपये को गबन किया जाना प्रकाश में आया था।

तमंचों सहित चार लुटेरे गिरफ्तार, माल बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। स्कार्पियों सवार बदमाशों द्वारा तमंचों के बल पर लूट की वारदात को अंजाम दिये जाने की घटना के बाद पुलिस ने मात्र कुछ घंटो बाद ही इस लूटकांड का खुलासा करते हुए चार बदमाशों को लूटी गयी हजारों की नगदी, दो तमंचे व लूट में प्रयुक्त स्कार्पियों सहित गिरफ्तार कर लिया गया है।

डीआईजी/एसएसपी डा. योगेन्द्र सिंह रावत द्वारा बताया गया कि बीती 11 जुलाई को एक व्यक्ति द्वारा थाना बहादराबाद पर तहरीर देकर बताया गया था कि 10/11 जुलाई की रात को स्कार्पियों सवार चार अज्ञात बदमाशों द्वारा पीर बाबा की मजार के समीप उसका बैग लूट लिया गया था। बताया कि उनके बैग में 50 हजार की नगदी, मोबाइल फोन व आधार कार्ड था। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर लुटेरों की तलाश शुरू कर दी गयी थी। लूट के इस मामले के खुलासे में लगी पुलिस टीम को बीते रोज सूचना मिली कि उक्त लूट में शामिल बदमाश लूट में प्रयुक्त स्कार्पियों सहित रानीपुर झाल के समीप देखे गये है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंच कर कार सवार लोगों को हिरासत में ले लिया गया। जिनके कब्जे से पुलिस ने लूटे गये रूपयों में से 44 हजार की नगदी लूट में प्रयुक्त दो तमंचे मय कारतूस भी बरामद कर लिये गये। पूछताछ में घटना के मुख्य आरोपी अमित उर्फ गोदू जिसकी अंबेडकर चौक पर चिकन शॉप है, ने बताया कि उसपर काफी कर्जा हो गया था जिसके चलते उसने मुर्गे के व्यापारी जुल्फिकार जो कि रोज शाम को चिकन कारोबारियों से पैसे कलेक्शन करता है को लूटने की योजना बनाई तथा चारों बदमाशों द्वारा नहर पटरी पर तमंचे के बल पर जुल्फिकार की मोटर साईकिल रोककर उससे से 48000 रुपए लूट लिए गये थे।

घटना में अन्य आरोपी अमित कुमार उर्फ सिल्लू निवासी ग्राम अलीपुर, रजत कर्णवाल ग्राम कटहरा मुजफ्फरनगर व सत्यम निवासी ग्राम ब्रह्मपुरी निकट अंबेडकर नगर थाना रानीपुर शामिल है। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

युवती से दुष्कर्म व छेड़छाड़ में दो नामजद

संवाददाता

देहरादून। युवती ने दुष्कर्म करने व उसको पढाने के बहाने उसके साथ छेडछाड करने के मामले में पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार करनपुर निवासी युवती ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह पढ़ाई करने लाइब्रेरी जाती है। लाइब्रेरी में उसको महेश नाम का लड़का काफी समय से उसके पीछे पड़ा था। महेश ने कहीं से उसका नम्बर लिया व उसको फोन करके परेशान करने लगा। बार-बार बोलता था कि वह उसें पसन्द करता है। तुमसे कुछ बात करना चाहता है। उसने उसको कई बार मना किया लेकिन वह नही माना आठ जुलाई को महेश उसको लाइब्रेरी में मिला व कहने लगा कि उसको बात करनी है। कमरे पर चलो वहाँ पर कोई नही है। उसने मना किया तो उसने कहा कि अगर तुमने मेरा कहना नही माना तो मैं आत्म हत्या कर लूंगा व सारा इल्जाम तुम्हारे सिर डाल दूंगा। वह डर गई उसके कमरे पर चली गई। वो उसको अपने कमरे में ले गया व अन्दर से कुंडी बन्द कर दी और उसके साथ जबरदस्ती शारीरिक सम्बन्ध बनाए। अगले दिन रमन कान्त पाल के नाम के लड़के ने राजवीर रावत के फोन से उसको फोन किया उसने कहा कि हमारे रूम पर बहुत सारी लड़के-लड़कियाँ पढ़ने आती है उसने मुझे विश्वास दिलाया कि वह गलत नही है। अगले दिन वह उसके बतायानुसार उसके कमरे पर गई रमन प्रकाश पाल ने उसको पढाना शुरु किया। उसके बाद व इधर उधर की बातें करने लगा व गलत बाते व छेड़छाड़ करने लगा। उसने उससे कहा कि यह कुछ भी गलत नही है जिसके कमरे पे तुम कल गयी थी उसी ने उसको तुम्हारा नम्बर दिया। इस तरह से महेश ने कई लोगों को उ सका नम्बर दे दिया है। जो उसको परेशान कर रहे हैं।

ओएनजीसी द्वारा स्वच्छता पखवाडे में वृक्ष वितरण किये

संवाददाता

देहरादून। ओएनजीसी ने एक जुलाई से 15 जुलाई तक चलाये जा रहे स्वच्छता पखवाडे के दौरान वृक्ष वितरण कार्यक्रम की शुरूआत निगम में मेयर सुनिल उनियालय गामा को वृक्ष देकर की।

आज यहां ओएनजीसी के स्वच्छता पखवाडे के दौरान वृक्षों के वितरण की भी शुरुआत नगर निगम परिसर से की गई। मेयर सुनील उनियाल गामा ने इसकी शुरुआत करते हुए मौजूद सभी लोगों को फल और फूल जिसमें आम,अमरूद, जामुन,नीम, कनेर एवं आयुर्वेदिक वृक्ष वितरित किये। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज के समय जरूरत है कि हम ज्यादा से ज्यादा वृक्ष लगायें जिससे कि पर्यावरण जोकि असंतुलित हो गया है वो संतुलित हो सके और इसके लिए हम सभी को जागरूक तो होना पड़ेगा ही साथ ही और लोगों को भी प्रेरित करना होगा कि वे भी अपने आसपास ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाए। इस दौरान सरकारी विद्यालयों, आवासीय कालोनी में लगभग पन्द्रह सौ (1500) वृक्ष वितरित किये गये। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि साफ सुथरा वातावरण पाने के लिए, हमें ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण करना होगा। ओएनजीसी की निगमित सामाजिक दायित्व के तहत एक जुलाई से 15 जुलाई स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित कर रहा है, जिसके अन्तर्गत सार्वजनिक स्थलों, विद्यालयों में स्वच्छता जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

पखवाड़ा महाप्रबंधक, इंचार्ज सीएसआर राम राज द्विवेदी के दिशा निर्देशन 15 जुलाई तक चलेगा। इस मौके पर सीएसआर के महाप्रबंधक टी बी हाशमी, एल एम लखेड़ा, डी डी सिंह, रोहित शर्मा,राकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

एक नजर

'महात्मा गांधी की प्रतिमा तोड़े जाने की घटना भारतीय समुदाय को आतंकित करने की कोशिश'

टोरंटो। कनाडा के टोरंटो में महात्मा गांधी की प्रतिमा तोड़े जाने पर भारत के महावाणिज्य दूतावास और ओटावा में भारतीय उच्चायोग ने चिंता जताई है। दूतावास की ओर से कहा गया है कि रिचमंड हिल के विष्णु मंदिर में महात्मा गांधी की प्रतिमा को तोड़े जाने से हम व्यथित हैं। इस घटना ने कनाडा में भारतीय समुदाय की भावनाओं को बहुत आहत किया है। हम इस अपराध की जांच के लिए कनाडा के अधिकारियों के संपर्क में हैं। वहीं, ओटावा में स्थित भारतीय उच्चायोग की ओर से कहा गया है कि भारतीय समुदाय को आतंकित करने की कोशिश करने वाले इस घटना से हम बहुत दुखी हैं। घटना के बाद यहां के भारतीय समुदाय में चिंता और असुरक्षा बढ़ गई है। हमने जांच करने और अपराधियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई के लिए कनाडा सरकार से संपर्क किया है। दरअसल, बुधवार को विष्णु मंदिर स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा को असमाजिक तत्वों ने तोड़ दिया था। यॉर्क रीजनल पुलिस के प्रवक्ता कॉन्स्टेबल एमी बौद्रेउ ने कहा कि वे मामले की जांच पड़ताल में जुटे हुए हैं।

आईजीआई एयरपोर्ट से 45 पिस्टल के साथ कपल गिरफ्तार

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर तस्कर पति-पत्नी को हथियारों के जखीरे के साथ गिरफ्तार किया गया है। वियतनाम से आए एक भारतीय कपल को भारी संख्या में हथियारों के साथ धर दबोचा। इनके पास से दो ट्रॉली बैगों से 22 लाख रुपये से अधिक मूल्य की 45 पिस्टल जब्त की गई हैं। पूछताछ के दौरान दोनों पति-पत्नी ने 12 लाख रुपये से अधिक की 25 पिस्टल की पिछली तस्करी में भी अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। यह जानकारी कमिश्नर ऑफ कस्टम, आईजीआई एयरपोर्ट और जनरल ने दी है। अधिकारी का कहना है कि बैलिस्टिक रिपोर्ट इस बात की पुष्टि करेगी कि पिस्टल असली हैं या नहीं। अधिकारी ने कहा विदेशों से बड़ी संख्या में लाए गए हथियारों का जखीरा डराने वाला है। वहीं अभी हथियार लाने वाले दंपत्ति की शिनाख्त नहीं हो सकी है। फिलहाल उनके पुलिस की पूछताछ जारी हैं। अधिकारी यह भी सोच कर हैरान हैं कि वियतनाम से निकलते समय सुरक्षा के दौरान दंपति को कैसे नहीं पकड़ा गया। उसने बाहर निकलने का प्रबंधन कैसे किया?

सिर्फ खाना और आबादी बढ़ाना, तो जानवर भी करते हैं: भागवत

बैंगलोर। देश में बीते कुछ समय से जनसंख्या विस्फोट को लेकर हो आ रही प्रतिक्रियाओं के बीच इस मुद्दे पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने बड़ा बयान दिया है। संघ प्रमुख ने कहा है कि केवल जिन्दा रहना ही जीवन का लक्ष्य नहीं होना चाहिए। सिर्फ खाना और आबादी बढ़ाना, तो जानवर भी करते हैं। ताकतवर ही जीवित रहेगा, यह जंगल का कानून है। मगर, दूसरों की रक्षा करना ही इंसान की निशानी है। दरअसल, संघ प्रमुख मोहन भागवत, कर्नाटक स्थित श्री सत्य साई यूनिवर्सिटी फॉर ह्यूमन एक्सीलेंस के पहले दीक्षांत समारोह में पहुंचे थे। वहां पर अपने संबोधन में उन्होंने कई मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। संघ प्रमुख ने आगे कहा कि राष्ट्र की प्रक्रिया तुरंत शुरू नहीं हुई, बल्कि 1857 से आरंभ हुई जिसे स्वामी विवेकानंद ने और आगे बढ़ाया। भागवत ने कहा कि अध्यात्म के माध्यम से ही श्रेष्ठता हासिल की जा सकती है, क्योंकि विज्ञान अभी तक सृष्टि के स्रोत को नहीं समझ सका है। विज्ञान ने अपने खंडित दृष्टिकोण से सब कुछ आजमाया और यह भी पाया कि सबकुछ आपस में जुड़ा हुआ है। हालांकि यह अभी तक कनेक्टिंग फैक्टर को नहीं खोज नहीं पाया है।

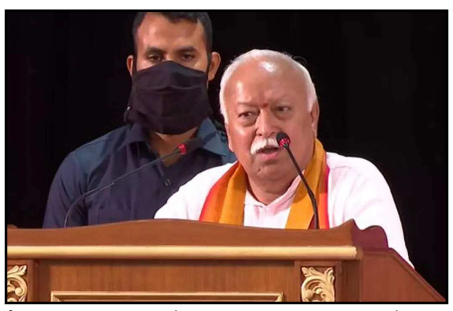

कावड़ यात्रा शुरू, हर तरफ हर-हर महादेव

विशेष संवाददाता

हरिद्वार/ऋषिकेश। आज सावन माह के पहले दिन से कांवड़ यात्रा का भी शुभारंभ हो चुका है। दो साल बाद हो रही कावड़ यात्रा को लेकर शिव भक्तों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। आज पहले दिन हरिद्वार और ऋषिकेश के गंगा घाटों पर कांवड़ियों की भारी भीड़ देखी गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शिव भक्तों को बधाई देते हुए कहा कि मां गंगा और भगवान शिव का हम सभी पर आशीर्वाद बना रहे सभी की यात्रा सरल, सुगम और निर्विघ्न संपन्न हो शासन-प्रशासन द्वारा इसकी सभी तैयारियां की गई हैं।

आज सुबह हरिद्वार के जिलाधिकारी दिनेश शंकर और एसएसपी योगेंद्र रावत ने हर की पैड़ी पर मां गंगा की विधिवत पूजा अर्चना कर यात्रा के निर्विघ्न और सफल समापन का मां गंगा से आशीर्वाद मांगा। इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि यात्रा को सुगम तथा सुरक्षित बनाने के सभी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि ड्रोन और हेलीकॉप्टर के जरिए पूरे कांवड़ मेला क्षेत्र पर नजर रखी जा रही है वहीं सीसीटीवी कैमरों की मदद से हर स्थिति पर पैनी नजर रहेगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री धामी का कहना है कि कोरोना के कारण 2 साल तक कांवड़ यात्रा नहीं हो सकी लेकिन इस बार कांवड़ियों के उत्साह को देखकर लग रहा है कि रिकार्ड 5 करोड़ के करीब कांवड़ यात्री यात्रा पर आ सकते हैं। उल्लेखनीय है कि गंगोत्री और हरिद्वार से गंगाजल लेने के लिए अन्य तमाम राज्यों से भी कांवड़िया आते हैं। मध्य प्रदेश, राजस्थान, यूपी, पंजाब व हरियाणा सहित तमाम राज्यों के दूरस्थ इलाकों से आने वाले कावड़ यात्री आज पहले दिन से अपनी यात्रा शुरू कर देते हैं। क्योंकि उन्हें महाशिवरात्रि तक हजारों किलोमीटर तक का पैदल सफर तय करना होता है। हरिद्वार और ऋषिकेश में आज अधिकांश कांवड़िए मध्यप्रदेश व राजस्थान आदि अन्य दूसरे राज्यों के भक्त अधिक रहे। इस दौरान आज यात्रा मार्गों से लेकर सभी गंगा घाटों और शिवालयों में शिव भक्तों की भारी भीड़ दिखाई दी और हर हर महादेव तथा बम-बम भोले की गूंज से वातावरण गुंजायमान दिखा। वही कनखल के दक्षेश्वर मंदिर से लेकर नीलकंठ मंदिर तक शिव भक्तों की भारी भीड़ दिखी। माना जाता है कि सावन माह में शिव अपनी ससुराल कनखल में ही प्रवास करते हैं। कावड़ यात्रा 26 जुलाई तक चलेगी।

❑2 साल बाद सड़कों पर उमड़ा केसरिया सैलाब
❑सभी कावड़ियों का स्वागत, पूरी तैयारियां: धामी
❑अधिकारियों ने सफल यात्रा को मां गंगा से मांगा आशीर्वाद

खूंखार प्रजाति के कुत्ते ने मालकिन पर किया हमला, मौत

हमारे संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के बंगाली टोला क्षेत्र में पाले गये कुत्ते द्वारा मालकिन पर हमला किये जाने की घटना के बाद मालकिन की दर्दनाक मौत हो गयी है। पाला गया यह कुत्ता पिटबुल नस्ल का बताया जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार बंगाली टोला में रहने वाली सुशीला त्रिपाठी (80) ने पिटबुल और लैबराडोर प्रजाति के दो कुत्ते घर में पाल रखे थे। सुशीला दोनों कुत्तों को खाना देती और उनके साथ खेलती थीं। दोनों कुत्ते महिला के बेटे अमित त्रिपाठी के कमरे में रहते थे। मंगलवार को कुत्ता खुला रह गया। अमित ने सुबह पांच बजे देखा कि पिटबुल नस्ल का कुत्ता उनकी मां को नोच रहा है। पिटबुल ने उसकी मां के पेट और चेहरे पर बुरी तरह काटा था। आनन-फानन में वो अपनी मां को लेकर अस्पताल पहुंचे जहां से उन्हें ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया लेकिन ट्रामा सेंटर में महिला द्वारा दम तोड़ दिया गया।

केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर के चिकित्सकों ने बताया कि सुबह साढ़े नौ बजे 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला को ट्रॉमा सेंटर लाया गया था। बुजुर्ग महिला की हालत काफी गंभीर थी। कुत्ते के काटने से बुजुर्ग के शरीर में गहरे घाव हो गए थे। खून काफी बह गया था। बुजुर्ग को बचाने की कोशिश की गई। वेंटिलेटर पर भी रखा गया। कुछ ही समय बाद महिला का निधन हो गया।

पुलिस लाइन गेट पर तैनात पुलिस कर्मी को जलाने का आरोप, चार हिरासत में

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। रूद्रपुर पुलिस लाइन के गेट पर तैनात पुलिसकर्मी द्वारा एक राजनीतिक पार्टी की झंडा लगी कार को रोकने पर विवाद की स्थिति पैदा हो गयी। आरोप है कि विवाद के बढ़ने पर कार सवारों द्वारा सिपाही को ज्वलनशील पदार्थ द्वारा जलाने का प्रयास किया गया। गंभीर हालत में झुलसे पुलिस कर्मी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल पुलिस मामले में शामिल चार आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

मामला रूद्रपुर पुलिस लाइन का है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिसकर्मी लक्ष्मण सिंह राणा पुलिस लाइन के अटरिया मंदिर वाले गेट पर ड्यूटी में तैनात थे। बीती शाम एक राजनीतिक पार्टी का झंडा लगी एक बोलेरो आते देख उन्होंने रोक दिया और पुछताछ करने लगे। बताया जा रहा है कि पुलिस कर्मी के सवालों के जबाव देने की बजाय बोलोरो में सवार चारों लोग रौब झाड़ने लगे और पुलिस कर्मी लक्ष्मण सिंह को वर्दी उतरवाने की धमकी देने लगे। लक्ष्मण सिंह ने बिना कारण बताए बोलेरो सवार लोगों को अंदर जाने से मना कर दिया तो चारों धरने पर बैठ गए आरोप है कि इस दौरान उन्होंने अमर सिंह के हाथ पर ज्वलनशील पदार्थ डाल दिया और आग लगाकर जलाने की कोशिश की।

घटना के बाद पुलिस लाइन में अफरा तफरी का माहौल हो गया। हंगामा होने पर पुलिस लाइन में मौजूद पुलिस कर्मियों ने चारों लोगों को पकड़ लिया। वहीं गंभीर रूप से झुलसे पुलिस कांस्टेबल लक्ष्मण सिंह राणा को जिला अस्पताल में में भर्ती करवाया गया है। एसपी सिटी मनोज कत्याल ने जिला अस्पताल पहुंच कर घटना की जानकारी ली। पुलिस पकड़े गए आरोपितों को हिरासत में लेकर घटना के विषय में पूछताछ कर रही है।

एमईएस के स्टोर से 48 पंखे चोरी

देहरादून (सं)। एमईएस के स्टोर का ताला तोडकर चोरों ने 48 पंखे चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एमईएस के दुर्ग अभियंता सुमित ने क्लेमनटाउन थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आठ जुलाई को दुर्ग अभियन्ता क्लेमेन्टाउन परिसर में स्थित ई/एम स्टोर से जब उपभोग्ता को नये पंखे देने के लिए स्टोर को खोला गया तो उक्त समय स्टोर का ताला टूटा हुआ लटका मिला। फिर स्टोर खोलकर देखने पर लगभग यह पाया गया कि स्टोर से 48 नये पंखे जोकि 16 गत्तो के बक्सो में पेक थे तथा जिनका माडल ओरियन्ट (हैक्टर 500) था स्टोर से चोरी पाये गये।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।